हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया

Date: 07.02.2019

नौ दशक पुरानी चिमनी से महामना के परिसर में फिर बजेगा अलार्म

वाराणसी | आनंद मिश्र

आईआईटी बीएचयू के पुरातन छात्र लगभग नौ दशक पुरानी एक परंपरा को पुनर्जीवित करने जा रहे हैं। यह परंपरा है अलार्म बजने की। सन-1919 में स्थापित बनारस इंजीनियरिंग कॉलेज (बेंको) में सन-1930 के आसपास अलार्म सिस्टम शुरू हुआ था। एक ऊंची चिमनी पर लगा अलार्म दशकों तक न सिर्फ विश्वविद्यालय परिसर बल्कि आसपास के क्षेत्रों के लिए भी समय सूचक की भूमिका निभाता था। दिन में तीन बार अलार्म की ध्वनि सुनाई देने पर लोगों की घड़ियां राइट-टाइम हो जाया करती थीं। जिनके पास घड़ी नहीं होती थी, वे समझ जाते थे कि अब कितना बजा है। लगभग तीन दशक पूर्व आई आंधी में चिमनी क्षतिग्रस्त क्या हुई, अलार्म बजना बंद हो गया। अब उसी चिमनी की मरम्मत है। वसंत पंचमी, 10 फरवरी को इसका लोकार्पण होना है।

आपात स्थिति में बजता था अलार्म : यह चिमनी एक प्रतीक चिह्न थी, जो बेंको भवन को अलग पहचान देती थी। प्रतीक के रूप में यह छात्रों के ब्लेजर की शोभा भी बढ़ाती थी। आईआईटी के पूर्व निदेशक व पुरातन छात्र प्रो. एसएन उपाध्याय ने बताया कि किसी आपात स्थिति अथवा कंडोलेंस के समय इस अलार्म सिस्टम से लोगों को एक स्थान पर एकत्र होने का संकेत भी दिया जाता था। इसके अलावा प्रतिदिन सुबह डिपार्टमेंट आने के लिए, लंच ब्रेक तथा शाम को छुट्टी के समय अलार्म बजता था। प्रो. उपाध्याय के अनुसार थर्मल पावर प्लांट की चिमनी को बेंको का गौरव माना जाता था। इस प्रतीक चिह्न को बेंको में पढ़ाई पूरी करके जाने वाले तथा नवागंतुक छात्र सलामी देते थे। इसकी मदद से कक्षाओं के साथ परीक्षाएं भी संचालित होती थीं।

आईआईटी बीएचयू में बेंको के भवन में पुरातन छात्र के योगदान से बन रही नई चिमनी। इसी चिमनी में लगे अलार्म सिस्टम का 10 फरवरी को उद्घाटन होगा।

चेन्नई निवासी पुरातन छात्र ने की पहल

चेन्नई में इन दिनों एक फरनेस फैक्ट्री के संचालक और आईआईटी बीएचयू में सन-1982 बैच के छात्र पी. रामचंद्रन ने बेंको भवन में लगी चिमनी की मरम्मत कराने की पहल की है। पूरा खर्च उन्होंने ही उठाया है। चेन्नई के ही कारीगर इसे नया कलेवर दे रहे हैं।

> महामना जी की शुरू की गई अलार्म की परम्परा को पुनर्जीवित किया जाएगा। इस प्रतीक चिह्न से पुरातन छात्रों की संवेदनाएं जुड़ी हैं।
>
> -प्रो. प्रदीप कुमार जैन, निदेशक, आईआईटी बीएचयू

सोलर पैनल से अलार्म को मिलेगी ऊर्जा

इस चिमनी का उद्घाटन 10 फरवरी, काशी हिंदू विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर आईआईटी के निदेशक प्रो. पीके जैन करेंगे। इसमें एक सोलर पैनल लगेगा जिससे चिमनी पर इंडीकेटर लाइट जलेगी। साथ ही अलार्म बजाने के लिए बिजली भी मिलेगी।